पाठ 16
साँची

● **संकलित**

आइए, सीखें : मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों की जानकारी। साँची के स्तूप का परिचय । ♦ कारक का सामान्य परिचय।

रात्रि 9.00

ग्वालियर
8.10.07

हम लोग कल साँची जाने वाले हैं। कक्षा में आज गुरुजी ने बताया कि साँची अपने बौद्ध स्तूप के लिए विश्व प्रसिद्ध है। बौद्ध धर्म भारत का ही नहीं बल्कि संसार के अनेक देशों चीन, जापान, मंगोलिया, तिब्बत, नेपाल, म्यांमार, कम्बोडिया आदि का प्रमुख धर्म है। साँची का बौद्ध स्तूप विश्व धरोहरों में से एक है। बौद्धधर्म के प्रवर्तक भगवान गौतम बुद्ध हैं। साँची प्राचीन काल में बौद्ध धर्म का प्रमुख केन्द्र था। साँची अपने स्तूपों, विहारों, मंदिरों, स्तंभों तथा तोरणद्वारों के लिए प्रसिद्ध है जिनका निर्माण ईसापूर्व तीसरी सदी से लेकर ईसा बाद बारहवी सदी तक मौर्य, शुंग तथा सातवाहन राजाओं द्वारा विभिन्न कालों में हुआ है। साँची में एक चुनार पत्थर का स्तंभ है जिस पर सम्राट अशोक का एक शिलालेख है।

गुरुजी से साँची के बारे में विस्तार से सुनकर मन में ललक जाग उठी कि कब हम साँची पहुँचे और प्रत्यक्ष साँची के दर्शन करें। गुरुजी ने समझाने के लिए मध्यप्रदेश का नक्शा मँगवाया। साँची रायसेन जिले में स्थित है। इसके निकट का सुविधाजनक प्रमुख रेलवे स्टेशन विदिशा है जो साँची से कुछ ही दूरी पर है। साँची भी एक छोटा सा रेलवे स्टेशन है जो पश्चिम मध्य रेलमंडल में झाँसी–इटारसी रेलवेलाइन पर स्थित है। सड़क मार्ग से यह विदिशा, रायसेन, भोपाल, सागर, इन्दौर, ग्वालियर आदि प्रमुख नगरों से जुड़ा है। हम लोगों का अगला कार्यक्रम कल ट्रेन द्वारा विदिशा पहुँचने का था।

हर्षित

रात्रि 9.15 **साँची 9.10.07**

हम लोग आज दोपहर बाद लगभग चार बजे साँची पहुँचे थे। ग्वालियर से विदिशा तक ट्रेन द्वारा और

शिक्षण संकेत –
♦ 'शिक्षक डायरी' विधा का सामान्य परिचय दें। ♦ मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों की चर्चा करें। मध्यप्रदेश का नक्शा बताते हुए उसमें पर्यटन स्थल ढूँढने हेतु कहें। ♦ साँची की विस्तृत जानकारी दें ।

विदिशा से बस में बैठकर साँची तक का सफर पूरा किया। यहाँ हम मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के पर्यटक आवास गृह में रूके हैं। सब बच्चे जल्दी से जल्दी बौद्ध स्तूप देखना चाहते थे, पर गुरूजी ने कहा कि आज सभी थके हुए हैं, समय भी कम बचा है। इसलिए आज सिर्फ यहाँ का संग्रहालय देखेगें, जिससे हमें साँची के बारे में पर्याप्त जानकारी मिल जाएगी। कल स्तूप देखने में अधिक आनंद आएगा। गुरुजी की यह बात मुझे भी ठीक लगी। मैं चाहता था, कल तरोताजा होकर बौद्ध स्तूप और वहाँ के अन्य स्मारक अच्छी तरह से देखूँ।

हम लोग संग्रहालय देखने गए। थोड़ी दूर पर ही पहाड़ी पर बनी एक गुम्बदनुमा इमारत दिखाई दे रही थी। गुरुजी ने बताया कि यही विश्व प्रसिद्ध साँची का स्तूप है। इसे सम्राट अशोक ने बनवाया था। सम्राट अशोक की पत्नी विदिशा के एक सेठ की पुत्री थी। मुख्य स्तूप में क्या था? इसका पता नहीं चला पर इसके पास स्थित स्तूप क्रमांक 3 में भगवान बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों के अवशेष रखे गए थे। इन पवित्र अवशेषों को अँग्रेज इंग्लैण्ड ले गए। गुरुजी की बात सुनते-सुनते हम संग्रहालय पहुँच गए और टिकट लेकर उसमें प्रवेश किया।

संग्रहालय में अनेक पुरातत्व महत्व की वस्तुएँ प्रदर्शित की गई हैं। जो साँची तथा इसके आसपास के स्थानों की खुदाई में मिली हैं। यहाँ अनेक मूर्तियों तथा मंदिरों के भग्नावशेष व कलाकृतियाँ है। इनमें अशोक स्तंभ का सिंह चिह्न तथा बौद्ध भिक्षुओं द्वारा उपयोग किये जाने वाले पात्र देखते ही बनते है। यह साँची के उत्खनन में प्राप्त हुए हैं। संग्रहालय में साँची और उसके पास स्थित सतधारा की खुदाई और खोज के समय के कई चित्र लगे हैं। इनसें पता चलता है कि इन स्तूपों को संरक्षित रखने में कितना परिश्रम और कौशल लगा है। संग्रहालय से लौटकर हम लोग बहुत देर तक प्राचीन भारत की उत्कृष्ट स्थापत्यकला की चर्चा करते रहे।

हर्षित

रात्रि 10.00 बजे साँची 10.10.07

साँची भ्रमण से मन में असीम संतोष है। आँखों में बार-बार साँची के स्तूप और स्थानों के चित्र आ-जा रहे है। आज सुबह मैं जल्दी ही नहा धोकर अपने सहपाठियों के साथ स्तूप देखने के लिए तैयार हो गया। झटपट नाश्ता किया। हम लोग एक चक्करदार मार्ग से पहाड़ी पर चढ़ने लगे। सबसे पहले हमने यहाँ बनें नए बौद्ध विहार को देखा। यहाँ सतधारा स्तूप से प्राप्त पवित्र अवशेषों को काँच की मंजूषा में प्रदर्शित किया गया है। इसके बाद हम साँची के विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप, जिसे स्तूप क्रमांक-1 भी कहा जाता है, के पास पहुँचे। गुरुजी ने पहले ही एक गाइड की सेवाएँ ले ली थी। गाइड ने हमें बताया कि यह एक विशाल अर्द्ध गोलाकार गुम्बद है। इसके चारों ओर अलंकृत परिक्रमापथ है जिसमें प्रवेश के लिए चार तोरण द्वार बनाए गए हैं। ये तोरण द्वार कला और स्थापत्य के उत्कृष्ट नमूने हैं। इन पर भगवान बुद्ध के जीवन को प्रतीक रूप में उत्कीर्ण किया गया है। इसके अलावा कई जातक कथाएँ भी उत्कीर्ण हैं।

इनसे जुड़ी कई कथाएँ गाइड ने हमें सुनाई। मुझे दो कथाओं ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। एक वह जिसमें युवराज वसंतारा ने धर्म और दया के लिए अपना सर्वस्व दान कर दिया था, दूसरी वह जिसमें भगवान बुद्ध ने अपने पूर्व जन्म में वानरराज के रूप में अपने दल की रक्षा के लिए अपने प्राणों को उत्सर्ग कर दिया था। मुख्य स्तूप के अलावा स्तूप क्रमांक 2 का पत्थर का कठघरा (घेरा) तथा स्तूप क्रमांक 3 का चमकदार पत्थर का छत्र बहुत सुंदर और देखने योग्य है। यहाँ कई देशी और विदेशी पर्यटक ध्यानपूर्वक साँची की स्थापत्य कला एवं स्तूपों को तन्मयता से देख रहे थे। कई परिवार इधर-उधर उद्यानों में बैठे थे। यहाँ के अशोक स्तंभ और कलात्मक ढंग से तराशे गये पत्थर के महापात्र को देखकर हम दंग रह गए। पत्थर पर की गई पालिश देखकर लकड़ी का भ्रम होता है। स्तूप के आस-पास बिहारों के खंडहर है। कुछ नीचे एक पथरीला सरोवर भी है।

भारतीय संस्कृति और कला के केन्द्र साँची को बार-बार देखकर भी मन भर नहीं रहा था। पर हमें लौटना था। नीचे आकर हमने भोजन किया। स्टेशन से गाड़ी में बैठे। घर आने के बाद भी मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपना मन साँची में ही छोड़ आया हूँ।

हर्षित

नए शब्द

स्तूप = शिखर । **धरोहर** = अमानत। **संग्रहालय** = वह स्थान जहाँ विशेष प्रकार की वस्तुओं का संग्रह किया गया हो, म्यूजियम। **स्मारक** – याद दिलाने वाला भवन, स्तंभ आदि। **गुम्बद** – इमारत पर अर्ध गोलाकार शिखर । **श्रेष्ठि** – सेठ । **अवशेष** – बचा हुआ हिस्सा, वह भाग जो बचा रहे या बाकी रहे। **पुरातत्व** = प्राचीन अनुसंधान एवं अध्ययन से संबंधित ज्ञान । **भग्नावशेष** = खंडहर। **उत्खनन** = खुदाई, जमीन से खोदकर निकालना । **संरक्षित** = सुरक्षित, अच्छी तरह बचाकर रखा हुआ। **कौशल** = कुशलता, दक्षता। **स्थापत्यकला** = भवन बनाने की विद्या, वास्तु विज्ञान। **मंजूषा** = सामग्री रखने की संदूक ,पिटारी आदि। **अलंकृत** = सजाया हुआ, सजावट युक्त। **तोरण द्वार** = किसी घर या नगर का बाहरी द्वार जिस पर सजावट की गई हो। **उत्कीर्ण** = खुदा हुआ, उकेरा गया। **उत्सर्ग** = त्याग, बलिदान **पर्यटक** = भ्रमण करने वाला। **खंडहर** = गिरे हुए भवन का अवशेष।

अनुभव विस्तार

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

(क) सही जोड़ी बनाइए –

साँची का बौद्ध स्तूप	–	गुम्बदनुमा इमारत दिखाई दे रही थी।
पहाड़ी पर बनी एक	–	काँच की मंजूषा में प्रदर्शित किया गया है।
सतधारा स्तूप से प्राप्त अवशेषों को	–	लकड़ी का भ्रम होता है।
पत्थर पर की गई पॉलिश को देखकर	–	विश्व धरोहरों में से एक है।

(ख) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

(अ) साँची अपने ..... के लिए विश्व प्रसिद्ध है। (आश्रम, बौद्ध स्तूप)

(ब) साँची ..... जिले में स्थित है। (भोपाल, रायसेन)

(स) स्तूप क्रमांक 3 में भगवान बुद्ध के ..... प्रमुख शिष्यों के अवशेष रखे गए थे। (दो, चार)

(द) साँची के निकट का सुविधाजनक प्रमुख रेलवे स्टेशन ..... है। (इटारसी, विदिशा)

2. अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

(अ) साँची कहाँ पर स्थित है?

(ब) बौद्ध धर्म के प्रवर्तक कौन हैं?

(स) साँची के स्तूप का आकार किस प्रकार का है?

(द) बौद्ध धर्म विश्व के किन-किन देशों में प्रचलित है?

(ई) साँची क्यों प्रसिद्ध है?

3. लघु उत्तरीय प्रश्न-

(अ) साँची के स्तूपों का मुख्य आकर्षण क्या है?

(ब) साँची के संग्रहालय में क्या संग्रहीत हैं?

(स) स्तूप क्रमांक 1 की क्या विशेषताएँ हैं?

(द) साँची के इतिहास से जुड़ी प्रसिद्ध किंवदंतियाँ कौन-कौन सी हैं?

(ई) साँची के स्तूप का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

भाषा की बात-

बोलिए और लिखिए-

1 कम्बोडिया, संग्रहालय, भग्नावशेष, कलाकृतियाँ, उत्खनन, मंजूषा

2 निम्नलिखित में से सही शब्द पहचानकर खाली स्थान में लिखिए -

पर्यटक, पयर्टक, परयटक .....

मंजूसा, मंजुशा, मंजूषा .....

विहार, बिहार, बीहार .....

उत्कीरन, उत्कीर्ण, उतकिर्ण .....

3. 'सतधारा' शब्द में 'सत' के साथ 'धारा' लगाकर नया शब्द 'सतधारा' बना है। इसी प्रकार 'धारा' लगाकर निम्नाकित शब्दों से नए शब्द बनाइए-

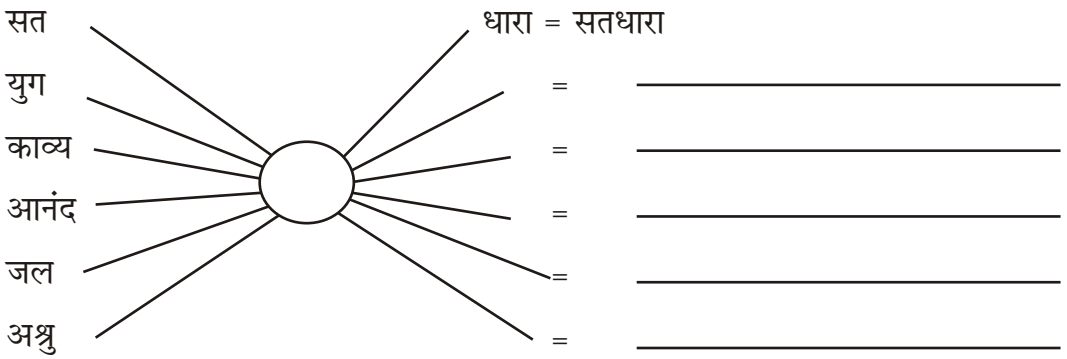

■ **ध्यान दीजिए**

सेठजी के यहाँ बच्चों को पढ़ाने के लिए एक शिक्षक आता था। कांता रोज उन्हें देखा करती थी। उसकी रूचि देखकर शिक्षक ने उसे वहाँ बैठने की स्वीकृति दे दी। कांता झटपट काम निपटाकर पढ़ाई के समय आकर कमरे में बैठ जाती थी।

उपर्युक्त रेखांकित शब्द कारकों के उदाहरण है–

1. 'सेठ जी के' में 'के' का प्रयोग सेठजी का बच्चों के साथ संबंध का बोध कराता है। अत: यहाँ संबंध कारक है।
2. ''शिक्षक ने '' में 'ने' कर्त्ता का सूचक है। अत: यहाँ कर्ता करक है।

संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ संबंध निर्धारित करने वाले तत्व को कारक कहते हैं। हिन्दी में कारक आठ होते है–

कर्ता – ने

कर्म – को

करण – से

सम्प्रदान – को, के, लिए

अपादन – से (अलग होने के लिए)

संबंध – का, के, की

अधिकरण – में, पे, पर

संबोधन – हे, हो, अरे

4. दिए गए शब्दों के कारकों को पहचानकर लिखिए–

उदाहरण –

सेठजी के	–	संबंध कारक
बच्चों को	–	.....
पढ़ाने के लिए	–	.....
शिक्षिका ने	–	.....
पढ़ाई के	–	.....
कमरे में	–	.....

अब करने की बारी

- आप किसी अन्य दर्शनीय स्थल पर गए हों तो उसकी चर्चा अपने साथियों से कीजिए एवं उसके महत्व को बताइए।
- विभिन्न दर्शनीय स्थलों के चित्र संग्रहीत करके कक्षा में लगाइए।

विविध प्रश्नावली -2

प्रश्न 1. सही जोड़ी बनाइए-

सज्जनतावश इन्हे भी 'आदमी' कह देते हैं	-	उस वक्त मैं कभी नहीं जाता।
वे जिस वक्त घर मिलने का वादा करते हैं	-	उनका बाहर स्वतंत्रता से निकलना बंद है।
भीतर औरतें परेशान है	-	'ऐ पापा बाहर गए हैं।'
लड़का फिर कहता हैं	-	ये असल में 'टाइम पीस' हैं।

प्रश्न 2. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

(1) हम पंछी उन्मुक्त ---------- के पिंजरबद्ध न गा पाएँगे। (चमन, गगन)

(2) अमीर खुसरो ने मन को छू लेने वाले ---------- लिखे। (गीत, लेख)

(3) दीनानाथ को विचारो में खोया देख उनकी पत्नी ---------- बोली। (मधुमती, मधुमिता)

(4) जो लोग समय तय करके भी घर नही मिलते हैं, वे मुझे भगवान के ---------- मालूम होते हैं। (प्रेजेन्ट, एजेन्ट)

(5) ऐसा न कहिए जेलर साहब । मैं ---------- की तरह अटल हूँ। (चट्टान, फौलाद)

प्रश्न 3. अति लघु उत्तरीय प्रश्न-

(1) बिस्मिल की माँ को किस बात का अफसोस था?

(2) साँची में हर्षित कहाँ रूका था?

(3) गाँव में सब्जियों की बेलें किस पर छाई हुईं हैं?

(4) बड़े सवाल का छोटा - सा जवाब पाने पर लेखक को कैसा लगता है?

(5) छगन अचानक एक दिन किस समाचार को सुनकर उदास हो गया?

(6) अपने गुरू के प्रति खुसरो के मन में कौन - सा प्रेरक भाव था?

(7) कवि किस प्रकार के पंखो के टूटने की बात कह रहा है?

प्रश्न 4. लघु उत्तरीय प्रश्न-

(1) 'हम बहता जल पीने वाले मर जाएँगे भूखे - प्यासे' कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(2) ईश्वर प्राप्ति के संबध में खुसरो के गुरू के क्या विचार थे?

(3) नर्सिंग होम के उद्घाटन के समय किस प्रकार का वातावरण था?

(4) हरिशंकर परसाई के अनुसार किस प्रकार के लोगों की चर्चा करना व्यर्थ है?

(5) 'ग्राम्य जीवन' कविता के आधार पर लिखिए कि ''गाँव के लोग परिश्रमी होते हैं।''

(6) अपने साथियों को पढ़ने के लिए स्कूल जाते देखकर लिंकन क्या सोचते थे?

(7) बिस्मिल की माँ अन्य साधारण स्त्रियों से किस प्रकार भिन्न थी?

(8) हर्षित ने साँची के संग्रहालय में क्या-क्या देखा?

प्रश्न 5.निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ लिखिए -

नीड़ न दो,चाहे टहनी का आश्रय छिन्न-भिन्न कर डालो,
लेकिन पंख दिये हैं,तो आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।

प्रश्न 6.आपके द्वारा देखे गए किसी दर्शनीय स्थल का तिथिवार वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न 7.(अ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

साक्षर,शिष्टता,निन्दा,सुविधा,अल्पायु

(ब) निम्नलिखित शब्दो के दो-दो पर्यायवाची लिखिए-

विश्व, शाम, घर, माँ, जमीन, देश

(स) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

जी चाहना, आँखों से परनाले बहना, कदम डगमगाना

(द) निम्नलिखित वाक्यों मे से सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्य पहचानकर लिखिए-

अपनी भारत माँ की अच्छी तरह सेवा करना।

मेरे देश को आजादी मिले और मेरे देशवासी उस दिन आँसू बहाएँ यह मुझसे सहन नहीं हो सकेगा माँ।

मेरी इच्छा है कि तू मातृभूमि की रक्षा करे।

प्रश्न 8 (अ) नीचे लिखे शब्दों से विशेषण शब्द अलग करके लिखिए-

(1) बूढ़ा नीम

(2) फटे जूते

(3) सूखा घास

(4) मीठी बातें

(ब) पाठ्य पुस्तक में पढ़ी हुई किसी कविता की चार पंक्तियाँ लिखिए।

प्रश्न 9 अपने प्रधान अध्यापक को फीस माफ करने विषयक पार्थना पत्र लिखिए।